VIVEKANANDA VIDYA MANDIR

RANCHI
ESTD : 1970

(A C.B.S.E. Affiliated New Generation English Medium Co-Ed School)

From KG to Class XII
Run By:
SRI RAMAKRISHNA SEVA SANGHA

Ref : VVM/2018-2396-A

Date : 4th November, 2018

प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 4 नवम्बर 2018 दिन रविवार को विवेकानन्द विद्या मंदिर, सेक्टर–2, धुर्वा, रांची के प्रांगण में **"किलकारी–2018"** का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अशोक कुमार सिंह (आइ.ए.एस), गेस्ट ऑफ ऑनर श्री अजय कुमार (आर.एस.एस., झारखण्ड), विद्यालय प्रबंधन समिति के आदरणीय अध्यक्ष श्री काशी नाथ मुखर्जी, आदरणीय सचिव श्री अभय कुमार मिश्रा, कोषाध्यक्ष श्री मलय कुमार नंदी, प्राचार्या, डॉ. किरण द्विवदी, सीनियर सेकेन्ड्री इन्चार्ज श्री एस.पी.सिंह, सेकेन्ड्री इन्चार्ज श्री अमिताभ लाहा, प्राइमरी सेक्शन इन्चार्ज श्रीमती एकता मिश्रा उपस्थित थे।

कार्यक्रम का आरंभ विद्यालय प्रार्थना से की गई। इसके बाद दीप प्रज्वलित कर वैदिक मंत्रों का उच्चारण किया गया। बच्चों ने मुख्य अतिथि एवं अभिभावकों का अनेक भाषाओं में अभिनन्दन किया। इस कार्यक्रम में नर्सरी से लेकर कक्षा पांचवी तक के बच्चों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम की उद्घोषणा आद्या मिश्रा, सागरिका और रूपेन्द्र भादुरी ने किया।

प्रधानाचार्या ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बच्चों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि बच्चे चुनौतियों को सौभाग्य में बदलने की क्षमता रखते हैं। ऐसे प्रतिभासंपन्न ही स्वयं को आदर्शों के प्रतीक के रूप में उभारते एवं स्वयं को ही नहीं समय को भी निहाल करते हैं। अभिवकों को भी उनके व्यक्तित्व निखारने में एवं संस्कार डालने में पुरा सहयोग देना चाहिए।

नृत्य, "मैंने कहा फूलो से", ने अतिथियों एवं सभा में मौजुद अभिभावकों का मन मोह लिया। "समझो मुझे" नृत्य नाटिका के द्वारा बच्चों ने अपनी मन की भावनाओं को प्रस्तुत किया। छोटे–छोटे बच्चों ने अपनी आत्मरक्षा के लिए "रूटिन मार्शल आर्ट" का प्रदर्शन किया। रंग–बिरंगे परिधानों में सामूहिक नृत्य और गाने – "बापु सेहत के लिए तू तो हानिकारक है", "छोटा बच्चा समझ के मुझको न समझाना रे", "हनी–बनी", "खो न जाए ये तारे जमीं पर" ने उपस्थित सभी का मन मोह लिया। दुसरों के लिए सेवा भाव रखना चाहिए इस आशय पर बच्चों ने मन को छु लेने वाला विवेकानन्द के बचपन से संबंधित एक नाटक, "साहस, सेवा एवं धैर्य का परिचय" प्रस्तुत किया।

अध्यक्ष श्री काशीनाथ मुखर्जी ने अपने कथन में कहा कि व्यक्तित्व विकास की पहली पाठशाला घर–परिवार है।

मुख्य अतिथि डॉ. अशोक कुमार सिंह जी ने बच्चों के कला की काफी सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चों को सही मार्गदर्शन और प्यार मिलने पर वे अपने आप को दुनिया में सूर्य की तरह अपने गुणों से रौशन कर सकते हैं।

विशिष्ट अतिथि श्री अजय कुमार जी ने अभिभावकों को उनके दायित्व से अवगत कराया और बताया कि अपने व्यस्ततम दिनचर्या में भी बच्चों के साथ समय अवश्य व्यतित करें।

श्री अभय कुमार मिश्रा जी ने कहा कि हम शिक्षा के साथ संस्कार भी देते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि जिज्ञासा हो श्रेष्ठ तो जीवन बने उत्कृष्ट।

धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती एकता मिश्रा के द्वारा हर्षोल्लासपूर्वक दिया गया तथा राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

(डॉ. किरण द्विवेदी)
प्राचार्या

SECTOR II, JAGARNATH NAGAR, DHURWA, RANCHI – 834 004
Tel : (0651)2440954, 2441422 Fax: 2441422
Email : vvm.ranchi@gmail.com, vivekananda_mandir@yahoo.co.in